दिनांक :- 3 जून, 2022

आयुष महाविद्यालयों को संबद्धता के लिए खर्च करने होंगे 1.50 लाख

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय ने प्रदेश के सभी 107 महाविद्यालयों की संबद्धता की प्रक्रिया शुरू कर दी है। चार जून से संबद्धीकरण शुरू होना है। इस संबंध में पत्र भेजे दिए गए हैं। महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट- www.mggaugkp.ac.in पर जाकर अपना संपूर्ण विवरण दर्ज करना होगा। निजी महाविद्यालयों को प्रतिवर्ष 1.30 से 1.50 लाख रुपये तक शुल्क देने होंगे। राजकीय के लिए शुल्क 30 से 40 हजार रुपये तय किए गए हैं।

- कार्य परिषद की बैठक के बाद घट-बढ़ सकता है शुल्क
- चार जून से शुरू होगा संबद्धीकरण, भेजे गए पत्र

सभी महाविद्यालयों को पत्र भेजे गए हैं। चार जून को सुबह 11 बजे से वे वेबसाइड पर अपना विवरण दर्ज कर सकते हैं। इसके लिए महाविद्यालय कोड, लागिन आइडी व पासवर्ड भेज दिए गए हैं।

प्रो. एके सिंह, कुलपति, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार ये शुल्क अभी कार्य परिषद की बैठक में पास नहीं हुए हैं। यदि परिषद इससे कम या ज्यादा शुल्क तय करती है तो उसके अनुसार धनराशि ली जाएगी। कार्य परिषद कम शुल्क तय करती है तो बची हुई धनराशि महाविद्यालयों को वापस की जाएगी, यदि ज्यादा तय करती है तो शेष धनराशि उनसे ली जाएगी। निजी में सौ सीट पर 1.50 लाख व 60 सीट पर 1.30 लाख रुपये शुल्क तय किया गया है।

राजकीय में सौ सीट पर 40 हजार व 60 सीट पर 30 हजार रुपये तय किए गए हैं। इसके अलावा निजी महाविद्यालयों से स्नातकोत्तर के प्रति छात्रों के हिसाब से पांच हजार व राजकीय से दो हजार रुपये अतिरिक्त शुल्क लिए जाएंगे। महाविद्यालयों को 18 प्रतिशत जीएसटी भी देना होगा।

नया महाविद्यालय खोलने के लिए भी शुल्क तय: यदि कोई आयुष का नया महाविद्यालय खोलना चाहता है तो उसे एक लाख रुपये शुल्क के रूप में देने होंगे। इसके बाद विश्वविद्यालय निरीक्षण करेगा। अनुमति मिलने के साल भर के अंदर यदि महाविद्यालय नहीं खुला तो अगले साल पुनः 50 हजार रुपये शुल्क लगेगा। पुनः न खुलने की स्थिति में तीसरे साल अनुमति निरस्त कर दी जाएगी। पुनः नये सिरे से प्रक्रिया शुरू करनी पड़ेगी।

दैनिक जागरण - दि० 09/06/2022 मेन पृष्ठ

एम्स के साथ मिलकर उपचार व शोध करेगा आयुष विश्वविद्यालय

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय व एम्स के बीच बुधवार को चिकित्सा व शोध के दृष्टिगत करार किया गया। एम्स की कार्यकारी निदेशक डा.सुरेखा किशोर व आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.एके सिंह ने समझौता पत्र का आदान-प्रदान किया। दोनों संस्थान मिलकर रोगियों का उपचार व रोगों पर शोध करेंगे।

प्रो.एके सिंह ने कहा कि रीढ़ की हड्डी में चोट, हड्डी रोग, लकवा आदि में प्राकृतिक चिकित्सा एवं पंचकर्म काफी लाभकारी हैं। एम्स में आए रोगियों पर इसका प्रयोग किया जाएगा। इस कार्य में एम्स के डाक्टरों का सहयोग लिया जाएगा। दोनों संस्थान मिलकर विभिन्न विषयों पर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी भी आयोजित करेंगे। डा.सुरेखा किशोर ने कहा कि यह समझौता मौजूदा समय की जरूरत है। इससे आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर आयुष विश्वविद्यालय के कुलसचिव आरबी सिंह, डा.नितिन मराठे, डा.महेंद्र प्रताप सिंह, हरविलास आदि मौजूद रहे।

- एम्स में आए रोगियों पर होगा पंचकर्म का प्रयोग, डाक्टर करेंगे सहयोग
- दोनों संस्थान मिलकर आयोजित करेंगे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी

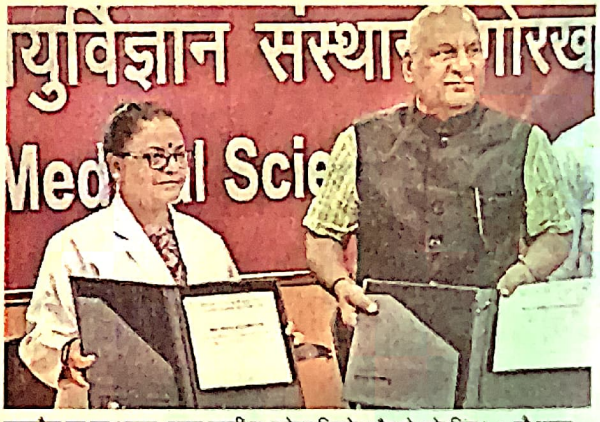

समझौता पत्र का आदान-प्रदान करती डा.सुरेखा किशोर और प्रो.एके सिंह। ● सौ.आयुष विश्वविद्यालय